आईआईएम के 14वें दीक्षांत समारोह चीफ गेस्ट प्रभा नरसिम्हन ने कहा-

ऐसे लीडर चाहिए जो दूसरों को भी ऊपर उठा सकें, जो भी करें वो बदलाव का कारण बनें

7 स्टूडेंट्स को मिला स्वर्ण पदक, 595 को मिली डिग्री

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रायपुर. दुनिया को ऐसे लीडर्स की जरूरत है जो उद्देश्य से प्रेरित हों, जो अपनी सफलता से दूसरों को ऊपर उठाने के अवसर के रूप में देखें। आप समाज में परिवर्तन करने वाले इनोवेटिव लीडर हैं। आप जो काम करें, वह बदलाव के लिए उत्प्रेरक हो। आप बदलाव का कारण बनें और नवाचार करें। यह बात कोलगेट पामोलिव इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रभा नरसिम्हन ने कही।

वे आईआईएम के 14वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। उन्होंने कहा, नेतृत्व का सार उस संस्कृति को बढ़ावा देना है, जहां लोग योगदान देने प्रेरित हों, स्वयं को मूल्यवान महसूस करें और साझा दृष्टिकोण में विश्वास रखें। समारोह में 595 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। ई-एमबीए प्रोग्राम के 216 और एमबीए प्रोग्राम के 369 विद्यार्थियों को डिग्री दी गई। 394 छात्रों में एमबीए 2023-25 बैच के 344 व एमबीए (आईएसई) 2022-24 बैच के 25 विद्यार्थी शामिल थे। वहीं, 9 डॉक्टोरल शोधार्थियों को उपाधियां दी गईं। इनमें 7 एफपीएम व 2 ईएफपीएम प्रोग्राम से थे। इस दौरान बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष पुनीत डालमिया, निदेशक प्रो. राम कुमार काकानी व मौजूद रहे।

प्रभा नरसिम्हन ने दी ये सीख

जर्नी से सीखे: मेरी यात्रा में कई चुनौतियां आईं, लेकिन ये जीवन के सबक बन गए। बाधाओं ने मेरे संकल्प को मजबूत किया, याद दिलाया कि प्रत्येक चुनौती आगे की राह के लिए बेहतर ढंग से तैयार होने का अवसर है।

लीडरशिप: मेरे लिए लीडरशिप व्यावसायिक लक्ष्यों से बढ़कर रहा है। सच्चा नेतृत्व ईमानदारी, सहानुभूति और हमारे द्वारा बनाए मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता पर आधारित है, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक व्यक्ति सफल हो सके और वह उसकी पूरी क्षमता तक पहुंच सके।

समाज को वापस देने की जिम्मेदारी बड़ा उद्देश्य: समाज को वापस देने की जिम्मेदारी बड़ा उद्देश्य है। जो हमसे पहले वालों के पीछे प्रेरक शक्ति रहा। यह विश्वास भी है जिसने हमें उन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया, जो लाभ से कहीं आगे निकल गईं।

सस्टेनिबिलिटी को अपनाएं: स्थिरता एक मानसिकता व जीवन जीने और काम करने का एक तरीका है, जो आपकी पेशेवर यात्रा में समाहित होना चाहिए। स्थिरता को अपने लक्ष्य से ज्यादा अपनाएं। आपके लिए हर निर्णय का पर्यावरण, समाज और आने वाली पीढ़ियों पर प्रभाव पड़ता है। स्थायी दुनिया बनाने की जिम्मेदारी आप पर है।

जिम्मेदारी से नेतृत्व करें, समाज में योगदान देना न भूलें: आईआईएम के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष पुनीत डालमिया ने कहा, शिक्षा ने आपको हालात के अनुकूल होने के साथ नेतृत्व और नवाचार की क्षमता दी है। ईमानदारी और जिम्मेदारी से नेतृत्व करें और समाज में योगदान देना न भूलें। आईआईएम के निदेशक प्रो. राम कुमार काकानी ने कहा कि आज छात्रों के जीवन का महत्वपूर्ण क्षण है। यह न केवल परिश्रम का उत्सव है, बल्कि आने वाले अवसरों के लिए लॉन्चपैड भी है।

टॉपर बनने नहीं की पढ़ाई

शुभम कुमार सिंह को 9.4 सीपीए के साथ अपने बैच के टॉपर रहे। उन्हें बीओजी चेयरपर्सन स्वर्ण पदक से नवाजा गया। उन्होंने बताया कि मैंने केवल पढ़ाई की, गोल्ड मेडल के लिए केकभीपढ़ाईनहींकी।क्लासमेंफोकस रहे तो पढ़ाई में कोई भी दिक्कत नहीं होती है। मैं जो भी पढ़ता था, उसे घर आकर रीविजन करता था। क्लासरूम स्टडी इम्पार्टेंट है। अभी जॉब करूंगा,प्लेसमेंट हो गया है।

फर्स्ट ईयर को पढ़ाता था

सबिताब्रत चटर्जी को पीजीपी सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन के लिए गोल्ड मेडल मिला। उन्होंने बताया, कैम्पस में पढ़ाई के साथ ही एक्टिविटी में हिस्सा लेते थे। परफॉर्मेंस अच्छा होने से जब मैं सेकंड ईयर पहुंचा तो फर्स्ट ईयर को पढ़ाने की जिम्मेदारी दी गई थी। 2 साल की उम्र में ही पापा की डेथ हो गई। एमबीए से पहले सैरेमिक इंजीनियर का काम किया। 6 लाख का पैकेज था, लेकिन मैंने एमबीए किया। अभी 20 लाख में प्लेसमेंट हुआ है।

कॉलेज में भी गोल्ड

बनानी सरकार को पीजीपी चेयरपर्सन पदक मिला। उन्होंने बताया कि मैं असम से पढ़ी हूं। बीटेक में भी गोल्ड मेडलिस्ट थीं। वहीं, कैंपस प्लेसमेंट में मेरा इंफोसिस में जॉब लग गई थी। जहां पैकेज लगभग 10 लाख था। कंपनी में मैनेजमेंट के लोगों को देखकर एमबीए करने की इच्छा हुई। अभी एक कंपनी में प्लेसमेंट हुआ है। बिजनेस करने का प्लान है। पापा बिनय सरकार और मां शिला सरकार का सहयोग हमेशा रहा।

इन्हें मिला गोल्ड मेडल

दीक्षांत समारोह में 7 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मनित किया गया। इसमें एमबीए कार्यक्रम से शुभम कुमार सिंह को बीओजी चेयरपर्सन स्वर्ण पदक, सम्भ्रांत डैश को निदेशक स्वर्ण पदक, बनानी सरकार को पीजीपी चेयरपर्सन पदक के साथ ही सबिताब्रत चटर्जी को सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन हेतु पदक प्रदान किया गया। वहीं, ई-एमबीए कार्यक्रम से प्रियम भारद्वाज को बीओजी चेयरपर्सन स्वर्ण पदक, इशानी पॉल को निदेशक स्वर्ण पदक और ब्योमकेश मजूमदार को ईपीजीपी चेयरपर्सन पदक मिला।

Patrika, 16 April 2025, P.06